हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 154 | देहरादून, रविवार, 10 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

टीम धामी ने कर दिया कमाल
हर मोर्चे पर धमाल

3

सर्वश्रेष्ठ, सर्वमान्य, सर्वगुण

सीएम साबित हो गए पुष्कर धामी

इन्वेस्टर्स समिट में साढ़े तीन लाख करोड़ के हुए करार

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,9 दिसंबर । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन समारोह के अवसर पर देवभूमि उत्तराखण्ड को नमन करते हुए कहा कि यह केवल डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड का ही समारोह नहीं है, बल्कि कई नई चीजों की शुरूआत भी है। उन्होंने कहा कि 02 लाख करोड़ के करारों के लक्ष्य के सापेक्ष ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में राज्य में साढ़े तीन लाख करोड़ से अधिक के करार हुए हैं, इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड के शासन और प्रशासन को बधाई दी। यह नये उत्तराखण्ड की अनन्त संभावनाओं को तलाशने की शुरूआत है। उत्तराखण्ड को ईको फ्रेंडली तरीके से किस प्रकार से उद्योग जगत के साथ भी जोड़ा जा सकता है, इसका एक मजबूत उदाहरण समग्र विश्व के सामने बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विश्वास के साथ कहा कि यह दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। यह ऐसा स्थान है, जहां विकास और दैवीय शक्ति साथ में है। मुख्यमंत्री धामी ने इसके साथ परफोर्मेंस को भी जोड़ा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय एजेंसियों को पूरा श्रेय दिया। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं निगरानी के साथ ही मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में श्रमिकों को सुरक्षित निकालने का सराहनीय कार्य किया गया। उनके चेहरे पर जो अद्भुत शांति और आत्मविश्वास था, यह नेतृत्व के लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने इस अभियान की सफलता के लिए मुख्यमंत्री और उत्तराखण्ड सरकार को बधाई दी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य अटल जी ने बनाया और मोदी जी ने इसे संवारा है। उनके नेतृत्व में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तराखण्ड को अलग राज्य बनाने का उद्देश्य यही था कि राज्य का तेजी से विकास हो। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। अनेक महत्वपूर्ण इनीशिएटिव लिये गये हैं। यहां की चारधाम यात्रा व्यवस्था, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए बनाई गई योजना सराहनीय है। लगभग तीस इन्वेस्टर फ्रेंडली नई नीतियों से उत्तराखण्ड पॉलिसी ड्रीवन स्टेट बन गया है। मोदी जी के नेतृत्व में पारदर्शिता के साथ शासन को बढ़ावा दिया गया है। भ्रष्टाचारियों को बिल्कुल भी बख्शा नहीं जायेगा। उत्तराखण्ड सरकार ने पारदर्शी माहौल दिया है। पूरे देश में उत्तराखण्ड सबसे ज्यादा शांत और सुरक्षित राज्यों में है। पारदर्शिता उत्तराखण्ड का स्वभाव बन गया है। पूरे देश की जिम्मेदारी है कि उत्तराखण्ड मजबूत और सबसे विकसित राज्य बने।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश तेजी से आगे बढ़ा है। पूरे देश में मल्टी डाइमेंशनल बदलाव आये हैं। इन वर्षों में 13.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं। प्रति व्यक्ति आय दुगुनी हुई है। करोड़ों किसानों की चिंता की गई है। यूनिकॉर्न स्टार्टअप की संख्या कई गुना हो गई है। भारत ने जिस तरह जी-20 का आयोजन किया, उसकी पूरे विश्व में सराहना की गई।जी-20 का दिल्ली घोषणा पत्र कूटनीति के क्षेत्र में भारत का परचम फहरायेगा। 2047 तक प्रधानमंत्री ने देश को विकसित और हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनाने का लक्ष्य रखा है। आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का देवभूमि उत्तराखण्ड की जनता की ओर से स्वागत करते हुए कहा उनके नेतृत्व में आंतरिक सुरक्षा मजबूत होने के साथ ही सहकारिता क्षेत्र में भी भारत ''सहकार से समृद्धि'' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जिसके अंतर्गत देश के सभी पैक्स को कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री द्वारा अक्टूबर 2021 में पैक्स के कम्प्यूटरीकरण का कार्य देश में पहली बार उत्तराखंड से ही प्रारंभ किया गया था और आज राज्य में सभी समितियां कम्प्यूटरीकृत हो चुकी हैं। ''डेस्टिनेशन उत्तराखंड'' का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। आज इसके समापन समारोह में अमित शाह उपस्थित हैं। उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमवीरों को सकुशल बाहर निकालने में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का राज्य सरकार को निरंतर सहयोग मिलता रहा, जिसके चलते ही सिलक्यारा मिशन सफल हुआ। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है तथा उनके विजन के अनुरूप ही हर क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

■ शेष खबर पेज 2 और
संबंधित खबरें पेज 3, 4

DESTINATION UTTARAKHAND
GLOBAL INVESTORS SUMMIT 2023
Peace To Prosperity

समिट के अंतरराष्ट्रीय मंच से मिली भारत के गृह मंत्री अमित शाह की वाहवाही और शाबासी

सर्वश्रेष्ठ, सर्वमान्य, सर्वगुण सीएम .....

जहां एक ओर आज उत्तराखंड में सेब, कीवी, मशरूम, श्री अन्न, जड़ी बूटियों आदि के उत्पादन द्वारा हमारे काश्तकार पूरी दुनियां को ''मेक इन इंडिया'' का संदेश दे रहे हैं, वहीं प्रदेश के अन्दर लॉजिस्टिक्स पार्क, एरोमा पार्क, फार्मा तथा इलैक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर और अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर पर तेजी से काम चल रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस हो, सिंगल विंडो क्लियरेंस हो, कठिन नियमों को सरल बनाने की बात हो, बजट को नियंत्रित करने के प्रयास हों, आज इन सभी मापदंडों में उत्तराखंड खरा उतरने का प्रयास कर रहा है। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म के मूल मंत्र को अंगीकार कर अनेक सेक्टरों के लिए सरल एवं पारदर्शी नीतियों को लागू करने का प्रयास किया है, जिससे हमारे उद्योग बंधुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस इन्वेस्टर समिट में उत्तराखण्ड को साढे.तीन लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 44 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंडिंग का कार्य प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन की सफलता में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा रही है। निवेशक सम्मेलन को सफल बनाने में निवेशकों, केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों ने भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर इस सम्मेलन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग एवं योगदान दिया। उत्तराखण्ड में निवेश करने वाले सभी निवेशकों द्वारा उत्तराखंड और उत्तराखंड के लोगों पर विश्वास जताने के लिए भी उन्होंने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार इस विश्वास को कभी टूटने नहीं देगी, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में निवेश करने वाले सभी उद्योगबंधु हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं और हम ये सुनिश्चित करेंगे की ''डेस्टिनेशन उत्तराखंड'' ब्रांड निवेश हेतु एक श्रेष्ठ ब्रांड साबित हो।

मुख्य सचिव डॉ. एस.एस संधु ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हाउस आफ हिमालयाज का शुभारंभ कर अंत्योदय के विकास की नई उम्मीद को आगे बढ़ाया है। साथ ही स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को एक वैश्विक स्तर का मंच मिला है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने वेडिंग इन उत्तराखंड की बात कही थी उनके इस कथन से प्रदेशवासियों में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि पिछले 06 माह में प्रदेश में 30 नई नीतियों बनाई गई हैं। निवेशकों का उत्साह उत्तराखंड के प्रति निरंतर बढ़ रहा है। राज्य सरकार द्वारा 6000 एकड़ सरकारी जमीन का लैंड बैंक तैयार किया गया है। उद्योगों को सस्ती दरों में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। एनसीआर से भी कनेक्टिविटी को और अधिक सुगम बनाया जा रहा है। उत्तराखंड राज्य में लॉ एंड आर्डर की स्थिति अच्छी है। राज्य का वातावरण प्रदूषण रहित है।

इस अवसर पर सीईओ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज श्री आशीष कुमार चौहान एम.डी. मदर डेयरी श्री मनीश बंदलिश, एमडी रसना पिरूज खंबाटा, एमडी जुबिलेंट जेनेरिक्स लि. डॉ. जयदेव राजपाल ने भी विचार व्यक्त किये।इस अवसर पर केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्री श्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय, मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण और औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

टीम धामी ने कर दिया कमाल, हर मोर्चे पर धमाल

मुख्यमंत्री धामी के सबसे काबिल जादूगर बनकर उभरे एस.एस संधू, मीनाक्षी सुंदरम, विनय शंकर पांडेय और बंधीधर तिवारी

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,9 दिसंबर। उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दूसरे दिन समापन के बाद मीडिया सेंटर में सचिव मुख्यमंत्री, डॉ आर मीनाक्षी सुंदरम और सचिव उद्योग डॉ विनय शंकर पांडेय ने संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान सचिव डॉ. आर मीनाक्षी सुंदरम ने बताया तीन माह पूर्व शुरू हुए "डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड" अभियान में सरकार द्वारा देश के विभिन्न महानगरों समेत विदेश में भी चार रोड शो आयोजित किए गए। जिसमें 3 लाख 50 हज़ार करोड़ से अधिक के एमओयू साइन किए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त निवेशकों द्वारा दो दिन के समिट के दौरान बेहद उत्साह दिखाया गया। समिट में 20 से अधिक देशों के ब्रांड एंबेस्टर/ प्रतिनिधि/ उद्योगपति मौजूद रहे। सचिव डॉ मीनाक्षी सुंदरम् ने बताया कि इस समिट के दौरान ₹44 हज़ार करोड़ की ग्राउंडिंग अब तक हो चुकी है जो कि अब तक किसी भी वित्तीय वर्ष में सबसे बड़ा ग्राउंडिंग का आँकड़ा है। सचिव डॉ. सुंदरम् ने बताया कि जो प्रोजेक्ट ग्राउंड हुए हैं उनमें मैन्यूफ़ैक्चरिंग, ऊर्जा, हॉस्पिलिटी और रियल एस्टेट के सेक्टर प्रमुख रूप से हैं। उन्होंने बताया कि बताया मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में पहले दिन से ही सरकार का ग्राउंडिंग पर फोकस था। निवेशकों द्वारा दो दिन के समिट के दौरान बेहद उत्साह दिखाया गया।

सचिव उद्योग विनय शंकर पांडेय ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में सरकार का "ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट" के आयोजन को लेकर जहां एक ओर निवेश पर फोकस था वहीं दूसरी ओर प्रदेश में रोज़गार सृजन भी प्राथमिकता थी, प्रदेश सरकार इस दिशा में बेहद सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार इन एमओयू की ट्रैकिंग के लिए उद्योग मित्रों की भी नियुक्ति कर रही रही है। यह उद्योग मित्र

- मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में एमओयू के ग्राउंडिंग पर सरकार का फोकस
- 10 और 11 दिसंबर को स्कूली छात्रों और आम जानता के लिए खुला रहेगा इन्वेस्टर्स समिट का एग्जीबिशन एरिया

बाक़ी एमओयू की ग्राउंडिंग में निवेशकों और सरकार के बीच सेतु के रूप में कार्य करेंगे।

सूचना महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी ने समस्त मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी 10 और 11 दिसंबर को भी FRI में स्कूली छात्रों और आम जानता के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का एक्सीबिशन एरिया खुला रहेगा। इस अवसर पर सूचना विभाग के विभिन्न अधिकारी मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सीएम बोले..

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' की हमारी परम्परा रही है। स्वतंत्रता और समानता, मानवाधिकार के दो महत्वपूर्ण विषय है। हमारे संविधान में भी नागरिकों को जीवन की सुरक्षा के साथ ही समानता व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया गया है। उन्होंने सभी से मानवाधिकारों के प्रति जागरूक होकर अपने कर्तव्यों को निष्ठापूर्वक सम्पादन करने की भी अपेक्षा की है।

वन विभाग आकर्षण का केंद्र बनकर उभरा इन्वेस्टर्स समिट में, इन्वेस्टर्स ने जमकर दिखाई रुचि

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,9 दिसंबर । उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में समृद्ध जैव विविधता से परिपूर्ण और विपुल वन संपदा वाले उत्तराखंड राज्य में इकोनॉमी और इकोलॉजी का बेहतर समन्वय व संतुलन कायम रखते हुए वन एवं इससे जुड़े सेक्टर्स में निवेश को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। समिट के दौरान इस सिलसिले में आयोजित विशेष सत्र में कहा गया कि वन एवं इससे जुड़े सेक्टर्स राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रमुख जरिया बनने की पूरी सामर्थ्य रखते हैं। जलवायु परिवर्तन व कार्बन उत्सर्जन की वैश्विक चुनौतियों को नियंत्रित करने में भी यह सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। लिहाजा राज्य में वन सेक्टर में होने वाला पूंजी निवेश देश और दुनिया के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के वन एवं इसस जुड़े सेक्टर्स पर निवेश की संभावनाओं पर परिचर्चा के लिए आयोजित सत्र की अध्यक्षता करते हुए राज्य के वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखंड का 71 प्रतिशत भूभाग वनों से आच्छादित है। यहां पर 11230 वन पंचायतें हैं जिनसे 20 लाख लोग जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि वनों के संरक्षण व संवर्द्धन तथा इससे जुड़ी आर्थिक गतिविधियों में स्थानीय जन-समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित कर वनों से स्थानीय लोगों के परंपरागत लगाव व जुड़ाव को कायम रखने पर सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। वन सेक्टर्स से संबंधित निवेश में भी पारिस्थितिक संतुलन और स्थानीय लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इन्डस्ट्रियल फ्रेंडली वातावरण के साथ ही इकोनॉमी और इकोलॉजी में समन्वय बनाते हुए कार्बन उत्सर्जन को कम करने पर सरकार का विशेष ध्यान है। वन मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में ईको-टूरिज्म, जड़ी-बूटियों तथा संगंध पौधों के उत्पादन व संग्रहण के साथ ही प्रसंस्करण जैसे वनाधारित परियोजनाओं की व्यापक संभावनाएं हैं। जिसके लिए कई निवेशक आगे आए हैं। योग, वेलनेस टूरिज्म, आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों में भी निवेशकों ने काफी रूचि दिखाई है। राज्य में तीन लाख करोड़ से अधिक के पूंजी निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में किया जाने वाला निवेश पूरी तरह सुरक्षित और बेहतर रिटर्न देने वाला साबित होगा। सरकार निवेशकों को हरसंभव सहयोग देगी। श्री उनियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर पर विकसित किए जाने के आह्वान ने राज्य के आर्थिक विकास की नई संभावनाओं के द्वार दुनिया के सामने खोल कर रख दिए हैं। जिससे जल्द ही सार्थक परिणाम सामने आएंगे और उत्तराखंड दुनिया में डेस्टीनेशन वेडिंग के प्रमुख केन्द्र के रूप में उभरेगा। उन्होनें कहा उद्योग जगत से अपने सीएसआर फंड का उपयोग वनों के संरक्षण में करने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके जरिए मानवता की बड़ी सेवा की जा सकती है।

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने ईको-टूरिज्म, जड़ी-बूटियों तथा संगंध पौधों के उत्पादन व संग्रहण के साथ ही प्रसंस्करण जैसे वनाधारित परियोजनाओं की संभावनाओं पर रखा मुख्यमंत्री धामी का मज़बूत दृष्टिकोण

■ वन प्रमुख(हॉफ)अनूप मलिक ने बहुत गहराई से निवेशकों को आकर्षित किया,अनूप मलिक के प्रस्तुतिकरण से साफ़ झलका अनुभव

कार्यक्रम में उत्तराखंड के प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु ने वन व इसे जुड़े क्षेत्रों में निवेषन की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कुदरत ने उत्तराखंड को समुद्र के अलावा अन्य तमाम प्राकृतिक संसाधनों से सजाया-संवारा है। इस प्राकृतिक संपदा का राज्य के विकास और राज्यवासियों के कल्याण के लिए बेहतर इस्तेमाल करने के साथ ही देश व दुनिया के पर्यावारणीय सुरक्षा के हित में सदुपयोग करने के लिए उद्योग जगत व निवेशकों के द्वारा की जाने वाली हर एक सार्थक पहल का राज्य सरकार हर पल स्वागत करने को तत्पर है। उद्योग जगत इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ेगा तो सरकार चार कदम आगे बढाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में रहना व निवेश करना प्राकृतिक व आर्थिक दृष्टिकोण से निश्चित तौर पर सुकून भरा सिद्ध होगा।

कार्यक्रम में उत्तराखंड वन विभाग के प्रमुख (हॉफ) अनूप मलिक तथा पीसीसीएफ समीर सिन्हा ने निवेशकों का स्वागत और आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उद्योग जगत से श्री श्री तत्व के सीईओ तेज कटपिटिया ने समुदाय के स्वामित्व वाले वनों में औषधीय पादपों के उत्पादन हेतु निवेश के बारे में विचार रखे। पूर्व आईएफएस एवं एफएससी के कंट्री डायरेक्टर सुरेश गैरोला ने फॉरेस्ट सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में रिन्यू पावर के सीनियर मैनेजर अनूप जकारिया और टेरी के एसोसिएट फैलो वरूण ग्रोवर ने कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर और सेंचुरी पल्प एंड पेपर्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डा. ए.पी. पाण्डे ने प्रकाष्ठ आधारित उद्योगों में उत्तराखण्ड के ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब के तौर पर स्थिति के बारे में विचार रखे।

हल्द्वानी : बच्चों को लेकर जा रही स्कूल बस में लगी आग, बड़ा हादसा होने से टला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 10 दिसंबर : प्रातः 8:05 बजे डायल 112 के माध्यम कोतवाली लालकुआं पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि मोटा हल्दू के पास रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास हाईवे पर एक स्कूल बस में आग लग गई हैं। उक्त सूचना पर प्रहलाद नारायण मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल के निर्देश पर तत्काल डी0आर0 वर्मा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लालकुआं द्वारा मय पुलिस पुलिस टीम के तथा फायर बिग्रेड टीम एवं सोमेन्द्र सिंह चौकी प्रभारी हल्दूचौड़ मौके पर रवाना हुए मौके पर मौजूद स्थानीय जनता की मदद से स्कूल बस में सवार कुल 37 बच्चों को रेस्क्यू कर सकुशल बस से बाहर निकल गया।

उक्त स्थान पर काम कर रहे गांवड कंस्ट्रक्शन के बाहर टैंकर्स एवं फायर बिग्रेड टीम द्वारा बस में लगी आग बुझाई गई। स्कूल बस नंबर- Uk-04PA- 1813 जिसको चालक खेम सिंह पुत्र गौरी सिंह निवासी मोती नगर और अटेंडेंट दीपा अधिकारी तथा कुल 37 बच्चों को बिन्दुखत्ता, हिरन बाबा मंदिर हल्दूचौड़ क्षेत्र से शेमफोर्ड स्कूल ले जा रही थी ।लगी आग को बुझाने हेतु पुलिस टीम के आलावा मौके पर मौजूद स्थानीय व्यक्तियों में से जगदीश सिंह चौहान पुत्र हुकम सिंह तथा मनोज शर्मा उर्फ़ मन्नू अन्य व्यक्तियों द्वारा रेस्क्यू में पुलिस का सर्वाधिक सहयोग किया गया उक्त सूचना पर स्कूल प्रशासन से शेमफोर्ड स्कूल की प्रधानाचार्य, डायरेक्ट भी मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा स्कूल की दूसरी बस मंगवा कर बच्चों को सकुशल स्कूल भिजवाया गया तथा यातायात व्यवस्था को बनाते हुए सुचारू किया गया। उक्त चालक द्वारा बस में अचानक इंजन की तरफ से आग लगना घटना का कारण बताया।

पुलिस टीम

1- डी0आर वर्मा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लालकुआं2- सोमेन्द्र सिंह चौकी प्रभारी हल्दूचौड़3- उ0नि0 श्री गिरीश सिंह (प्रशि0)4- हेड कांस्टेबल राजेंद्र प्रसाद5- कांस्टेबल अनिल शर्मा6- कांस्टेबल प्रहलाद7- कांस्टेबल जितेंद्र सिंह8- कांस्टेबल सुबोध9- कांस्टेबल आनंदपुरी

उत्तराखंड : बर्फबारी के बाद खिल उठा मुनस्यारी, आप भी चले आइए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 10 दिसंबर : उत्तराखंड में इन दिनों मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। कभी चटख धूप खिल रही है तो कभी आसमान में बादल घुमड़ रहे हैं। पिछले दिनों पिथौरागढ़ समेत अन्य पर्वतीय जिलों में खूब बर्फबारी हुई, जिससे यहां खूबसूरत नजारे देखने को मिल रहे हैं।

मुनस्यारी में भी मौसम बदला-बदला नजर आ रहा है। यहां बीते दिन बर्फबारी हुई, जिसका असर ठिठुरन के रूप में देखा जा रहा है। मुनस्यारी के बलाती तक बर्फबारी हुई। साथ ही खलिया टॉप, छिपला केदार में भी हर तरफ बर्फ की सफेद चादर नजर आ रही है। जिले के व्यास घाटी में लिपुलेख, नाभीढांग , कालापानी, गुंजी, नाबी, नपलच्यु, रोंगकोंग ,कुटी, ज्योलिंगकोंग आदि कैलास सहित कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर छियालेख तक हिमपात हुआ।

दारमा घाटी भी बर्फ की सफेद चादर से ढक

चुकी है। उच्च हिमालयी जोहार घाटी, रालम सहित अन्य स्थानों पर भी हिमपात की सूचना है। खलिया टॉप में तीन इंच के लगभग हिमपात हुआ है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हिमपात होने से निचले इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। लोग ठंड से राहत पाने के लिए हीटर और अंगीठी का सहारा ले रहे हैं, लेकिन राहत नहीं मिल रही। बात करें आज के मौसम की तो ज्यादातर जगह मौसम शुष्क है। मौसम विज्ञानियों ने कहा कि अगले दो दिन मौसम में विशेष परिवर्तन आने की संभावना नहीं है। मौसम शुष्क रहेगा, हालांकि सुबह और शाम के वक्त ठंडक बरकरार रहेगी। लोगों को स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

आपके सोने की स्थिति आपके स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती है : पढ़िए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 दिसंबर : हर व्यक्ति की आदत होती है कि वह बहुत ही खास और अनोखे तरीके से सो जाता है। हम में से कुछ को मुलायम तकिए पसंद होते हैं, दूसरों को मोटे, भारी कंबल पसंद होते हैं। वही हमारे सोने के तरीके के लिए कहा जाता है – चाहे हम अपनी पीठ के बल सोना पसंद करते हों या भ्रूण की स्थिति में जुड़े हुए हों। यह अजीब लग सकता है, लेकिन ये बहुत कुछ इस बात से संबंधित हैं कि हम सामान्य रूप से कितने स्वस्थ हैं! यह जानने के लिए पढ़ते रहें कि आपकी नींद की आदतें आपके व्यक्तिगत स्वास्थ्य के बारे में क्या कहती हैं।

हमें रिचार्ज करने और लंबे दिन के बाद आराम करने के लिए नींद की जरूरत है यह आपके फोन की बैटरी चार्ज करने जैसा है। लेकिन अच्छी नींद सोते समय भी एक स्वस्थ मुद्रा पर निर्भर करती है! नींद शरीर में कई

महत्वपूर्ण कार्यों को बहाल करने में मदद करती है, जैसे कि सेल टर्नओवर, मनोवैज्ञानिक समस्याएं जिनसे हम निपट सकते हैं और डिटॉक्सिफिकेशन, कुछ का नाम लेने के लिए।

एक अच्छी रात के आराम के बाद, एक नया दिन शुरू करना बेहतर लगता है। जबकि कुछ के लिए सोना आसान है, अन्य लोगों के लिए लंबे समय तक आराम करना बेहद कठिन हो सकता है। यह सोने की मुद्रा से संबंधित हो सकता है, विश्वास करें या नहीं!

मोहन जी का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति : मुख्यमंत्री

देहरादून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी , प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और सभी सीनियर पार्टी लीडर्स ने भाजपा कार्यालय, देहरादून पहुंचकर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह रावत 'गांववासी' जी के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सीएम धामी ने परिजनों को ढाढ़स देते हुए उनके योगदान को प्रदेश और पार्टी के लिए अमूल्य बताया है।

गलती को माफ करने से भी मिलते हैं कई लाभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 दिसंबर : आपने कई बार सुना होगा कि हमें अपने मन में बातों को भर के नहीं रखना चाहिए बल्कि उन्हें लोगों के साथ बांटते हुए भूल जाना चाहिए। इसी तरह लोगों को उनकी गलतियों को लिए माफ करना और अपनी गलती की माफी मांगना भी कई मानसिक बीमारियों से बचने का एक आसान उपाय हो सकता है। पर मनोवैज्ञानिकों की मानें, तो ऐसा करना और बातों को भूल जाना सबके लिए आसान नहीं होता। ऐसा इसलिए भी क्योंकि बहुत से लोग माफी को एक थोपने या बोझ के रूप में देखते हैं एक आवश्यकता, जिसे वे करने के लिए दबाव महसूस करते हैं। जबकि क्षमा करना बहुतों के लिए आसान नहीं है, यह एक ऐसा कौशल है जिसे सीखा जा सकता है। वहीं माफ करने के कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

क्षमा करने से सामाजिक दर्द को कम करने में मदद मिल सकती है। कम से कम अगर यह एसिटामिनोफेन के साथ संयुक्त है, तो आप बस इस आदत के कारण कई मानसिक बीमारियों से बच सकते हैं। सामाजिक दर्द को सामाजिक अस्वीकृति के साथ आने वाली भावना के रूप में परिभाषित किया गया है। ये अक्सर तब होता है कि जब किसी को इस बात का एहसास होता है कि लोगों के कारण उनकी जिंदगी खराब हो गई है। दुनिया उसके दर्द का जिम्मेदार है।

चाहे क्षमा करना कितना भी मुश्किल क्यों न हो, पर हमें इससे पीछे हटना नहीं चाहिए। कोई मित्र आपके साथ खड़ा हो या कोई पुरानी बीमारी का निदान हो, यह कई स्वास्थ्य लाभों से जुड़ा हुआ है। अध्ययन से पता चलता है कि उनमें से 148 युवा वयस्कों के एक अध्ययन में, स्टूडेंट और उनकी टीम ने अपने तनाव के जोखिम, क्षमा करने की क्षमता और स्वास्थ्य की स्थिति को मापा। ग्रेटर स्ट्रेस की मानें जिन लोगों में माफी का निचले स्तर मिला, उनमें स्ट्रेस की मात्रा ज्यादा पाई गई। प्रत्येक खराब मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से पीड़ित लोगों के बारे में एक चीज समान थी कि ये लोग थोड़े संकुचित और मन में ज्यादा बातें रखने वाले लोग थे। उनकी तुलना में खुले दिल वाले लोगों में बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की बात की गई।

उत्तराखंड : बिजली के क्षेत्र में करोड़ों का निवेश, युवाओं को मिलेगा रोजगार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 10 दिसंबर : उत्तराखंड देश के ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहा है। यहां चल रही बिजली परियोजनाओं से न सिर्फ उत्तराखंड बल्कि दूसरे राज्यों की भी बिजली संबंधी जरूरतें पूरी हो रही हैं। इसी कड़ी में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और यूजेवीएनएल को 1719 मेगावाट की पांच परियोजनाएं तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड और उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम टीएचडीसीआईएल-यूजेवीएनएल एनर्जी कंपनी लिमिटेड की ओर से पांच जल विद्युत परियोजनाओं का विकास और निर्माण किया जाएगा। यह परियोजनाएं 1719 मेगावाट की होंगी। बुधवार को देहरादून में आयोजित एनर्जी कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी) भूपेंद्र गुप्ता को औपचारिक रूप से आवंटन पत्र प्रदान किए। इस मौके पर टीएचडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आरके विश्नोई ने बताया कि पूर्ण होने पर यह परियोजनाएं 1719 मेगावाट की स्वच्छ ऊर्जा का योगदान देंगी, जिसमें 17 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इतना ही नहीं इससे रोजगार के लगभग 900 अवसर सृजित होंगे। जिन परियोजनाओं की जिम्मेदारी टीएचडीसीआईएल-यूजेवीएनएल एनर्जी कंपनी लिमिटेड को सौंपी गई है,

उनमें उत्तरकाशी में मोरी-हनोल जल विद्युत परियोजना (63 मेगावाट), पिथौरागढ़ में उर्थिग-सोबला जल विद्युत परियोजना (280 मेगावाट), पिथौरागढ़ में बोगुदियार-सिरकारी भ्योल जल विद्युत परियोजना (146 मेगावाट), टिहरी गढ़वाल में पुनगढ़-मटियाला पंप स्टोरेज प्लांट (600 मेगावाट) और पौड़ी गढ़वाल में जसपालगढ़ पंप स्टोरेज प्लांट (630 मेगावाट) शामिल हैं। कुल मिलाकर Uttarakhand Power Sector Investment एक अच्छा संकेत है।

UKPSC की जेई परीक्षा को लेकर जारी हुआ ताजा अपडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 दिसंबर : उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने जेई भर्ती परीक्षा को लेकर अपडेट जारी किया है। उत्तराखंड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियंता परीक्षा-2023 का आयोजन 23, 24, 26 व 27 दिसंबर को किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश के 13 जिलों के 14 नगरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए श्रुतलेखक के सम्बन्ध में प्राविधान का उल्लेख विज्ञापन के परिशिष्ट-5 व परिशिष्ट-6 मे किया गया है।

ऑनलाइन आवेदन पत्र में स्वयं श्रुतलेखक लाने का विकल्प चयनित करने वाले दिव्यांग अभ्यर्थी की दिव्यांगता प्रतिशत 40 से अधिक होने की दशा में विज्ञापन का परिशिष्ट-5 एवं दिव्यांगता 40 प्रतिशत से कम होने की दशा में परिशिष्ट-6 को पूरी तरह भरते हुए श्रुतलेखक की दो फोटो के साथ परिशिष्ट-5 और 6 में किए गए दावे के आधार पर शैक्षिक योग्यता संबंधी अंक-तालिका, प्रमाण पत्र आयोग कार्यालय में दिनांक 12 दिसंबर 2023 तक डाक या ईमेल के माध्यम से उपलब्ध कराएं।

ऑनलाइन आवेदन पत्र में आयोग द्वारा श्रुतलेखक उपलब्ध कराए जाने का विकल्प चयनित करने वाले अभ्यर्थी का दिव्यांगता प्रतिशत 40 से अधिक होने की दशा में विज्ञापन के परिशिष्ट-5 एवं कम होने की दशा में परिशिष्ट-6 पर निर्गत प्रमाण पत्र आयोग के कार्यालय में 12 दिसंबर तक डाक अथवा ईमेल के जरिए उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उक्त तिथि के बाद श्रुतलेखक उपलब्ध कराए जाने से संबंधित प्रतिवेदन पर आयोग द्वारा विचार नहीं किया जाएगा। ऐसे अभ्यर्थी जिनके द्वारा श्रुतलेखक आयोग कार्यालय से उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया गया है, वो UKPSC JE Exam की डेट से 2 दिन पहले यानी 21 दिसंबर को कार्यावधि में अपने आवंटित परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होकर श्रुतलेखक से मिल सकते हैं।

उत्तराखंड डेस्टिनेशन स्टार्टअप हब के रूप में विकसित हो रहा है : मंत्री सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 दिसंबर : उत्तराखंड में स्टार्टअप की ग्रोथ के अवसर पर चौथा सत्र आयोजित हुआ। कौशल विकास और सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने उपस्थित निवेशकों और स्टार्टअप उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज उत्तराखंड डेस्टिनेशन स्टार्ट अप हब के रूप में विकसित हो रहा है। युवाओं के लिए रोजगार प्रदाता के रूप में उभरने के पर्याप्त अवसर है। इसके लिए सरकार ने उद्योग नीति 2023 को निवेशकों और उद्यमियों के अनुरूप बनाया है जिससे निवेशकों के साथ ही स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं को वित्तीय और मार्गदर्शन मिलता रहे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है की 10 पहाड़ी जिलों में फोकस कर विकास किया जाए। उत्तराखंड स्टार्टअप के क्षेत्र में देश के पांच शीर्ष राज्यों में शुमार हो गया है। जहां 2016 में राज्य में मात्र 04 स्टार्ट अप थे वही आज राज्य ने 950 स्टार्टअप की संख्या को पार कर दिया है। इनमें से कई स्टार्ट अप अपनी बुलंदियों पर पहुंचकर नए स्टार्टअप की भी मदद कर रहे है। नई स्टार्टअप पॉलिसी 2023 के तहत नए इनक्यूबेशन सेंटर खोलने पर 01 करोड़ तक का सहयोग किया जायेगा वही अवस्थित इनक्यूबेशन सेंटर के विस्तार हेतु 50 लाख तक का सहयोग भी मिलेगा।

सरकार ने ड्रोन के प्रमोशन और प्रयोग की पॉलिसी 2023, डाटा सेंटर उत्तराखंड सर्विस सेक्टर पॉलिसी 2023, आईटी/ आईटीईएस उत्तराखंड सर्विस सेक्टर पॉलिसी 2023 को हाल ही में बनाया है। हमें विश्वास है कि समस्त निवेशकों और उद्यमियों को राज्य में सिंगल विंडो क्लीयरेंस से आसानी होगी। उन्होंने निवेशकों को किसी भी प्रकार की समस्या आने पर शासन प्रशासन द्वारा हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

उत्तराखंड किस तरह हब के रूप में विकसित हो रहा है, इस पर पैनलिस्ट ने विस्तार से चर्चा की। कहा कि उत्तराखंड में अच्छा व्यवसाय माहौल, सरकार का सहयोग और ईको सिसेटम है। सरकार वित्तीय सहयोग के साथ ही अपना मार्गदर्शन भी देती है जो कि कुशल व्यवसाय के लिए जरूरी है। विशेषकर उन स्टार्ट अप को सहयोग दिया जा रहा है जो किसी कारणवश चल नहीं पाए। उन्होंने नए

स्टार्टअप कर्ताओं से अपने प्रोजेक्ट में किसी भी प्रकार का शॉर्ट कट न अपनाने, प्रोजेक्ट की वित्तीय वायाबिलिटी को समझने के गुर दिए। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि जल्द ही देश की इकोनॉमी 4 ट्रिलियन से बढ़कर 10 ट्रिलियन होगी।

सत्र में प्राइस वाटर हाउस कूपर्स प्राइवेट लिमिटेड के एसोसिएट प्रोफेसर उदित शर्मा, ग्लोबल एसवीपी से डा सुबी चतुर्वेदी, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी से डा अमन मित्तल, लॉग 9 से अक्षय सिंघल, कमर्शियल काउंसलर अजय सिंह मौजूद थे।

संपादकीय

अत्यधिक दोहन को नज़रअंदाज़ करना घातक

यह विडंबना है कि व्यावसायिक खेती के चलते भारत में भूजल का अंधाधुंध दोहन बहुत तेजी से बढ़ा है। जिसकी वजह से आज हम दुनिया में भूजल के सबसे बड़े उपयोगकर्ता बन गये हैं। चिंता की बात यह है कि अमेरिका व चीन द्वारा संयुक्त रूप से जिस मात्रा में भूजल का उपयोग किया जा रहा है, भारत का उपयोग उससे भी अधिक है। निश्चित रूप से यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है। दरअसल, आज देश में निकाले जा रहे नब्बे फीसदी भूजल का उपयोग कृषि कार्यों के लिये किया जा रहा है। जाहिर है यह हमारी आजादी के सात दशक बाद भी बाहरी सिंचाई जल संसाधनों की अपूर्णता को दर्शाता है। सतही जल स्रोतों का बेहतर ढंग से नियोजन न हो पाना हमारे नीति-नियंताओं की विफलता को ही बताता है। चौंकाने वाली बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट बताती है कि इंडो-गंगेटिक बेसिन के कुछ क्षेत्र भूजल की कमी के चरम बिंदु को पार कर चुके हैं। दरअसल हम जल दोहन की उस स्थिति पर जा पहुंचे हैं, जिससे हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र में अपरिवर्तनीय स्थितियां अनुभव की जाती हैं। अनुमान है कि देश के पूरे उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में 2025 तक भूजल की उपलब्धता बेहद कम हो जाएगी। इस बारे में एक अमेरिकी विश्वविद्यालय के अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यदि भारत में वर्तमान दर से भूजल का दोहन जारी रहता है तो देश भयावह भूजल संकट का सामना करेगा। आकलन है कि वर्ष 2080 तक भारत में भूजल की कमी की दर तीन गुना तक हो सकती है। निश्चय ही यह बेहद चिंताजनक स्थिति होगी। यदि हम अभी इस संकट को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो इसका देश के खाद्यान्न उत्पादन पर खासा प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इससे जहां हमारी खाद्य सुरक्षा शृंखला संकट में पड़ जाएगी, वहीं दूसरी ओर हमें विदेशों से आयातित अनाज पर निर्भर रहना पड़ेगा। निश्चित रूप से देश के लिये यह विकट स्थिति होगी। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय भूजल बोर्ड की एक रिपोर्ट में पंजाब के भूजल संकट को लेकर जो निष्कर्ष सामने आए हैं, वे भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा पंजाब में जिन 150 ब्लॉकों का मूल्यांकन किया गया है उनमें 114 ब्लॉक अतिदोहित श्रेणी में आते हैं। वहीं तीन को गंभीर स्थिति वाला और तेरह को आंशिक रूप से चिंताजनक बताया गया है। केवल 20 ब्लॉकों को ही सुरक्षित श्रेणी में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि पंजाब राज्य में 13.94 लाख ट्यूबवेल हैं। पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के आंकड़ों से पता चलता है कि इनमें अधिकांशतः अत्यधिक जल दोहन वाले जिलों में स्थित हैं। बेहद चिंता की बात है कि संगरूर और मलेरकोटला में भूजल का दोहन पुनर्भरण से 164 फीसदी अधिक है। जाहिर बात है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिये अंधकारमय भविष्य तैयार कर रहे हैं। जैसे-जैसे हमारी भूजल से पहुंच खत्म होगी हमारी संपूर्ण खाद्य उत्पादन प्रणाली के लिए खतरा पैदा हो जाएगा। निश्चित रूप से लगातार बढ़ते इस भूजल संकट के मूल में हमारा फसलों का चयन है। खासकर गेहूं और धान की फसल में सबसे ज्यादा पानी की खपत होती है। हमें ऐसे विकल्पों पर विचार करने की जरूरत है जो हमारी सिंचाई दक्षता के लिये समाधान प्रस्तुत कर सकें। यह एक हकीकत है कि अधिक पानी की खपत करने वाली फसलें लंबे समय तक टिकाऊ नहीं होती हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

नैनीताल : जंगल में घास लेने गई महिला को गुलदार ने बनाया निवाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 10 दिसंबर : उत्तराखंड के नैनीताल जिले क्षेत्र में गुलदार और बाघ का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो दिन पहले ही रामनगर में बाघ ने महिला को निवाला बनाया था। अब दूसरी खबर भीमताल से आ रही है। यहां बीती शाम भीमताल ब्लॉक के तोक कसाइल में गुलदार ने जंगल में चारा काट रही महिला पर हमला कर दिया। इस हमले में महिला की मौत हो गई। इस दौरान मौके पर मौजूद अन्य महिलाओं और बच्चों ने भागकर अपनी जान बचाई।

वन विभाग की टीम और ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे तो गुलदार ने ग्रामीणों के ऊपर भी हमला करने की कोशिश की। भीमताल ब्लॉक के कसाइल तोक बीती शाम 35 साल की इंदिरा देवी जानवरों के लिए चारा काट रही थी, तभी घात लगाए गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। इस दौरान अन्य महिलाओं और बच्चों ने भागकर जान बचाई। मौके पर जब गांव के

बाकी लोग पहुंचे तो गुलदार उन पर भी हमला कर दिया। इसके बाद गुलदार जंगल की ओर भाग गया।

इंदिरा देवी की मौत के बाद से ग्रामीणों में भय और गुस्से का माहौल है। ग्रामीणों के मुताबिक इलाके में काफी दिनों से गुलदार का आतंक है। कई बार गुलदार को पकड़ने के लिए ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग उठाई, लेकिन वन विभाग के अधिकारी कड़ी कार्रवाई नहीं कर रहे, जिसका नतीजा इंदिरा देवी की मौत है। उधर स्थानीय विधायक राम सिंह कैड़ा ने डीएफओ को फोन पर घटना से अवगत कराने को कहा है। इसके साथ ही मृतका के परिजनों को मुआवजा देने और गांव में पिंजरा लगाने के लिए भी कहा है। इंदिरा देवी के पति मोहन बेलवाल खेतीबाड़ी कर परिवार का खर्चा चलाता है। घटना के बाद से दो बेटों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

क्या है विटामिन P शरीर के लिए क्यों है जरूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 दिसंबर : हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत होती है. खाने-पीने की चीजों से ये जरूरी तत्व शरीर को मिलते हैं. अलग-अलग विटामिन्स शरीर में विभिन्न तरीके से काम करते हैं और बीमारियों से बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं. विटामिन ए, बी, सी, डी समेत कई तरह के होते हैं, जिनकी हमें हर दिन जरूरत होती है. अब तक आपने इन प्रमुख विटामिन के नाम सुने होंगे, लेकिन क्या आपने विटामिन P के बारे में सुना है. आज आपको बताएंगे कि विटामिन P क्या है और इससे हमारे शरीर को फायदे होते हैं. साथ ही यह भी बताएंगे कि विटामिन P किन फूड्स में भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

हेल्पलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक प्लांट कंपाउंड के फ्लेवोनोइड्स को ही विटामिन P कहा जाता है. यह वास्तव में विटामिन नहीं है, बल्कि एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टी वाले फाइटोन्यूट्रिएंट्स का एक वर्ग है. ये सभी हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद

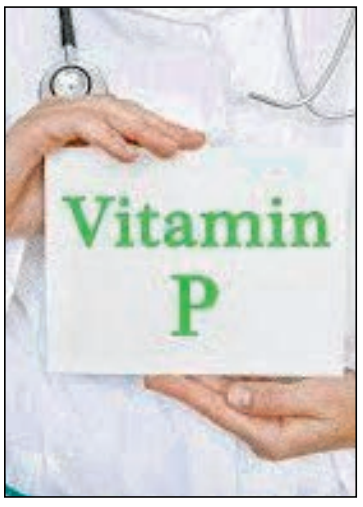

होते हैं. फलों, सब्जियों, चाय, कोको और वाइन में कई प्रकार के फ्लेवोनोइड पाए जाते हैं. फ्लेवोनोइड्स को बायो फ्लेवोनोइड्स के रूप में भी जाना जाता है. पहली बार जब 1930 में वैज्ञानिकों ने पहली बार संतरे से फ्लेवोनोइड्स को निकाला, तब उन्हें एक नए प्रकार का विटामिन माना गया. इसलिए उन्हें विटामिन P नाम दिया गया. इस नाम का अब उपयोग नहीं किया जाता है, क्योंकि फ्लेवोनोइड विटामिन नहीं हैं. फ्लेवोनोइड्स पौधों में मौजूद होते हैं।

माना जाता है कि फ्लेवोनोइड विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं. ये हार्ट डिजीज, डायबिटीज और अन्य बीमारियों को रोकने में मदद करते हैं. फ्लेवोनोइड्स एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करते हैं. ये शरीर के फ्री रेडिकल्स के असर को कम करने में मदद करते हैं. ये फ्री रेडिकल्स सेल्स डैमेज कर सकते हैं और इससे कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. कई स्टडी में पता चला है कि फ्लेवोनोइड्स हमारे ब्रेन की कोशिकाओं की रक्षा कर सकते हैं और ब्रेन हेल्थ को बढ़ावा दे सकते हैं. फ्लेवोनोइड्स वाली डाइट का सेवन करने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम हो सकता है. प्रतिदिन 300 मिलीग्राम फ्लेवोनोइड के सेवन से डायबिटीज का खतरा 5% कम हो सकता है।

परमार्थ निकेतन में गृह मंत्री अमित शाह के साथ गंगा आरती में शामिल हुए मुख्यमंत्री धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 दिसंबर , केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को देहरादून में आयोजित उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रतिभाग करने के पश्चात ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन पहुंचे। परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री गंगा पूजन एवं गंगा आरती में शामिल हुए तथा मां गंगा का आशीर्वाद प्राप्त कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमचन्द अग्रवाल, सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, सांसद श्री अनिल बलूनी, पूर्व मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री महेन्द्र भट्ट, योग गुरू बाबा रामदेव, अखाडा परिषद के अध्यक्ष महंत श्री रवीन्द्र पुरी, स्वामी कैलाशानन्द, स्वामी ईश्वरानन्द एंव अन्य संतगण आदि उपस्थित थे।

6 साल तक नहीं आया ऑफिस फिर भी मिला बेस्ट अवार्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 दिसंबर : आज के समय में नौकरी को लेकर सभी कर्मचारी सतर्क रहते हैं। नौकरी चाहे सरकारी हो या प्राइवेट। जहां तक नौकरी में छुट्टियों की बात है तो आपने देखा होगा कि आपका बॉस चाहता है कि आप अधिक से अधिक समय ऑफिस में बिताए ताकि समय पर काम हो। कोई भी कर्मचारी अगर बॉस से लम्बी छुट्टी पर जाने के बारे में बताता है तो बॉस को गुस्सा आता है और बॉस गुस्सा होकर इसके लिए आपको उचित दण्ड भी दे सकते है। लेकिन आपको बता दें कि स्पेन में एक मामला इससे उल्टा आया है।

यहां पर एक कर्मचारी 6 साल की लम्बी छुट्टी पर गया और उसे अवार्ड से सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार स्पेन में जोकिन गार्सिया नाम के एक सरकारी कर्मचारी जो कि पिछले 6 सालों से छुट्टी पर था उसे लंबी नौकरी के लिए सम्मानित किया गया। दरअसल, हुआ यूं की 69 वर्षीय जोकिन ने उसके डिपार्टमेंट के बॉसेस के बीच हुई गलतफहमी का फायदा उठाकर 6 साल तक ज्यादातर ऑफिस आया ही नहीं आया। लेकिन जब अवार्ड देने के दौरान जांच हुई तो सबको मालूम हुआ कि जोकिन तो सालों से ऑफिस ही नहीं आ रहा। जिसके बाद जोकिन पर इसके लिए 27 हजार यूरो का फाइन लगाया है।